हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
सामान्य प्रशासन शाखा

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की वर्ष, 2015 की तृतीय आपातकालीन बैठक की कार्यवाही, जो दिनांक 30 नवम्बर, 2015 को अपराह्न 12–30 बजे आचार्य ए0डी0एन0 बाजपेयी, कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई । बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए :–

1– आचार्य राजिन्द्र सिंह चौहान, प्रति कुलपति
2– आचार्य एम0एस0 चौहान, अधिष्ठाता, भौतिक विज्ञान संकाय
3– आचार्य पी0एन0 बंसल, अधिष्ठाता प्रदर्शन एवं दृश्य कलाएं संकाय
4– श्री चन्द्र शेखर, नामिती राज्य सरकार
5– श्री देवी राम वर्मा, प्रतिनिधि गैर–शिक्षक कर्मचारी
6– डॉ0 अनुराग शर्मा, सह–आचार्य
7– डॉ0 पंकज ललित –कुलसचिव
सदस्य–सचिव

<u>मद संख्या–1:</u> कुलपति महोदय का वक्तव्य ।

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की वर्ष 2015 की तृतीय आपातकालीन बैठक में कुलपति महोदय ने सभी सम्माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

उन्होंने कार्यकारिणी परिषद् के सम्माननीय सदस्यों को सूचित किया कि माननीय उच्च न्यायालय, हिमाचल प्रदेश द्वारा कार्यान्वयन याचिका क्रमांक 454/2015 शीर्षक ''बरडू राम बनाम हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय'' में दिए गए आदेश दिनांक 21.11.2015 द्वारा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 पंकज ललित को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा CWP No.2669 of 2010 में दिनांक 12–05–2015 को दिए गए निर्णय की अनुपालना न करने के लिए तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया था तथा विश्वविद्यालय को इस विषय में दो सप्ताह के अन्दर जवाब दायर करने के आदेश भी दिये गए थे। तथापि पारित

आदेश में माननीय न्यायालय में यह भी स्पष्ट किया था कि यदि सम्बन्धित आदेश को लागू किया जाता है तो उस परिस्थिति में प्रतिवादी आदेश में सुधार/परिवर्तन मांगने के लिए स्वतन्त्र होगा।

उपरोक्त आदेशों के दृष्टिगत विश्वविद्यालय द्वारा इस विषय में कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत करने के उपरान्त माननीय उच्च न्यायालय ने कार्यान्वयन याचिका क्रमांक 454/2015 दिनांक 26.11.2015 द्वारा अपने आदेश में कुलसचिव के निलम्बन की अवधि को सभी आशयों एवं उद्देश्यों के लिए नियमित करते हुए तत्काल प्रभाव से प्रतिसंहरण करने के आदेश दिए हैं तथा यह भी आदेश पारित किये कि कुलसचिव के निलम्बन की अवधि को कार्यालय में उपस्थिति माना जायेगा। तदानुसार कुलसचिव द्वारा यथावत दिनांक 26–11–2015 को अपना पद ग्रहण कर लिया।

उन्होंने यह भी सूचित किया कि इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय में निम्नलिखित कार्यक्रम, बैठकें, संगोष्ठियां और कार्यशालाएं आयोजित की गईः–

1. दिनांक 23.10.2015 को पद्म भूषण से अलंकृत अनन्त श्री स्वामी सत्यमित्रानन्द गिरि निवृत्त शंकराचार्य संस्थापक, भारत माता मन्दिर, हरिद्वार का ''भारत की समृद्ध ज्ञान परम्परा'' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

2. दिनांक 25–27 अक्तूबर 2015 को जबलपुर प्रबन्धन संघ एवं दक्षिण एशिया प्रबन्धन संघ के संयुक्त तत्वावधान में द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सगोष्ठी रविन्द्रा भवन, गोवा में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

3. दिनांक 29.10.2015 को विश्वविद्यालय के जैव–प्रौद्योगिकी विभाग की परामर्श दात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

4. दिनांक 29.10.2015 को ही हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग शिमला की सैट–2014 (SET) से सम्बन्धित परामश र्ा दात्री समिति की बैठक में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

5. दिनांक 04.11.2015 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उत्कृष्टतम संस्थान–एकीकृत हिमालयन अध्ययन संस्थान द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

6. दिनांक 07.11.2015 को पूर्व परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र की परामर्श दात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

7. दिनांक 07.11.2015 को ही विश्वविद्यालय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय ''टैक्नोफैस्ट'' सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों से सम्बन्धित कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

8. दिनांक 10.11.2015 को विश्वविद्यालय प्रबन्धन स्कूल के सह आचार्य डॉ. प्रमोद शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया।

9. दिनांक 14.11.2015 को भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की 125वीं जन्मशति के अवसर पर विश्वविद्यालय के इतिहास, राजनीति शास्त्र, अंग्रेजी एवं हिन्दी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

10. दिनांक 16.11.2015 को विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास केन्द्र में अर्थशास्त्र विषय पर आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

11. दिनांक 19.11.2015 को विश्वविद्यालय में मंगलाचरण ध्वनि संगीत से सम्बन्धित गठित समिति के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई।

12. दिनांक 21.11.2015 को बी.एस.ए. प्रौद्योगिकी एवं प्रबन्धन संस्थान, आलमपुर, फरीदाबाद, हरियाणा द्वारा ''इंजीनियर्स के लिए बुनियादी विज्ञान की उपयोगिता'' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

13. दिनांक 23.11.2015 को विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास केन्द्र में रसायन शास्त्र विषय पर आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

14. दिनांक 26–27 नवम्बर 2015 को दक्षिण एशिया अध्ययन केन्द्र एवं अन्तर्राष्ट्रीय समाज विज्ञान केन्द्र, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी द्वारा ''संस्कृति की पहचान और कूटनीतिः एक समावेशी भारत राष्ट्र की समीक्षा की अवधारणा'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

15. दिनांक 28.11.2015 को गणित विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

16. दिनांक 28.11.2015 को गणित विभाग की सैप से सम्बन्धित परामर्श दात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

17. दिनांक 28.11.2015 को विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास केन्द्र में अर्थशास्त्र विषय पर आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम में विशेष व्याख्यान दिया।

18. दिनांक 30.11.2015 को विश्वविद्यालय के महिला विकास अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित ''पदोन्नति, लैंगिक समानताः मुद्दे एवं चुनौतियां'' विषय पर एक कार्यशाला की अध्यक्षता की।

उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलसचिव से आग्रह किया कि वे आज के लिए प्रस्तावित मदों को परिषद् के सम्मुख चर्चा एवं निर्णय के लिए प्रस्तुत करें।

मद संख्या–2: कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष माननीय उच्च न्यायालय हिमाचल प्रदेश, शिमला द्वारा पारित आदेश दिनांक 29–10–2015 की अनुपालना में दिनांक 27–8–2012 को आचार्य जीव–विज्ञान विभाग में सीधी भर्ती हेतु आयोजित साक्षात्कार में चयन समिति की सिफारिशें प्रस्तुत करने बारे।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने देस राज ठाकुर बनाम आचार्य ए.डी.एन. बाजपेयी एवं अन्य मामले में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा COPC No.478 of 2015 में दिनांक 29–10–2015 को पारित आदेशों की अनुपालना पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि माननीय उच्च न्यायालय ने न्यायालय में दायर याचिकाओं CWP(s) No.9048, 9051 & 9055 of 2013 दिनांक 21.11.2013 पर कार्यकारिणी परिषद् द्वारा दिनांक 1–11–2013 को हुई बैठक में मद संख्या–14 के अंतर्गत लिये गये निर्णय पर रोक लगा दी थी जिसके कारण जीव–विज्ञान व गणित विभाग में आचार्य के पद पर पदोन्नति के लिए साक्षात्कार हेतु आमंत्रित अभ्यार्थियों की योग्यताओं की जांच करने के लिए गठित समिति अधिसूचित नहीं हो पायी थी। अब माननीय उच्च न्यायालय द्वारा COPC No.478 of 2015 दिनांक 29–10–2015 को पारित आदेश में उपरोक्त निर्णय पर लगी रोक को हटा दिया है। कार्यकारिणी परिषद् ने अपनी दिनांक 1–11–2013 को हुई बैठक में मद संख्या–14 के अंतर्गत जीव–विज्ञान विभाग में आचार्य के पद पर पदोन्नति के लिए साक्षात्कार हेतु आमंत्रित अभ्यार्थियों की योग्यताओं की जांच के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति में संशोधन कर निम्नलिखित सदस्यों की समिति के पुनर्गठन का निर्णय लियाः–

1– अधिष्ठाता अध्ययन	–अध्यक्ष
2– अधिष्ठाता जीव–विज्ञान संकाय	–सदस्य
3– अधिष्ठाता, विधि संकाय	–सदस्य
4– आचार्य एम0एस0 चौहान सदस्य कार्यकारिणी परिषद्	–सदस्य
5– विभागाध्यक्ष, जीव–विज्ञान विभाग	–सदस्य
6– जीव–विज्ञान विभाग के वरिष्ठतम आचार्य	–सदस्य
7– कुलसचिव	–सदस्य–सचिव

कार्यकारिणी परिषद् ने निर्णय लिया कि उपरोक्त समिति माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों की अनुपालना में जीव–विज्ञान विभाग में आचार्य के पद के साक्षात्कार हेतु आमंत्रित अभ्यार्थियों की योग्यताओं की जांच कर 7 दिसम्बर, 2015 तक अपनी सिफारिशें कुलपति महोदय को प्रस्तुत करेगी, जिसे माननीय उच्च न्यायालय द्वारा उक्त निर्णय के कार्यान्वयन की अवधि जो 10 दिसम्बर, 2015 को समाप्त हो रही है, के दृष्टिगत उक्त दिनांक से पूर्व कार्यकारिणी परिषद् के अवलोकनार्थ एवं आगामी आदेश हेतु प्रस्तुत किया जायेगा। परिषद् ने यह भी निर्णय लिया कि यदि किसी कारणवश उक्त दिनांक तक कार्यकारिणी परिषद् की बैठक आयोजित नहीं होती है तो विश्वविद्यालय कानूनी सलाहकार माननीय उच्च न्यायालय द्वारा निश्चित छः सप्ताह की समय अवधि में एक महीने की बढ़ौतरी का अनुरोध उक्त समय सीमा की समाप्ति से पूर्व करें।

मद संख्या–3: सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष तथा परिणामस्वरूप उपलब्ध वरिष्ठ व्यवसायिक सहायक (पुस्तकालय) के पद के विरूद्ध भर्ती एवं पदोन्नति समिति की दिनांक 30–11–2015 मध्याह्न 12–00 बजे हुई बैठक की कार्यवाही को कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष तथा इसके परिणामस्वरूप उपलब्ध वरिष्ठ व्यवसायिक सहायक (पुस्तकालय) के पदोन्नति हेतु भर्ती एवं पदोन्नति समिति की दिनांक 30–11–2015 को हुई बैठक की सिफारिशों को **संलग्नक** के अनुरूप अनुमोदित किया।

यथा–स्थान की गई चर्चाः–

सम्माननीय सदस्य श्री चन्द्र शेखर ने कहा कि विश्वविद्यालय में लागू रूसा प्रणाली के परीक्षा परिणाम घोषित न होने के कारण समाचार–पत्रों व अन्य प्रसारण साधनों में विश्वविद्यालय की आलोचना होती रहती है जिससे विश्वविद्यालय के साथ–साथ प्रदेश सरकार की छवि धूमिल हो रही है। इसके अतिरिक्त रूसा प्रणाली के परीक्षा परिणाम समय पर घोषित न होने पर इस प्रणाली के प्रति छात्रों में भी संशय की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि रूसा प्रणाली पर विस्तृत चर्चा करने के लिए कार्यकारिणी परिषद् की विशेष बैठक आयोजित की जाये। जिस पर कुलपति महोदय ने आश्वस्त किया कि रूसा प्रणाली पर चर्चा के लिए दिसम्बर महीने में ही कार्यकारिणी परिषद् की विशेष बैठक आयोजित की जायेगी ।

श्री चन्द्र शेखर ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में छात्रों के अनुपात में छात्रावासों की संख्या बहुत कम है जिससे छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों को छात्रावासों की सुविधा प्रदान करने के लिए नये छात्रावासों का निर्माण किया जाये और यदि विश्वविद्यालय में छात्रावासों के निर्माण में धन की कमी आड़े आ रही है तो प्रदेश सरकार से छात्रावास के निर्माण के लिए धन उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया जाये।

श्री चन्द्र शेखर ने कार्यकारिणी परिषद् में छात्रों को प्रतिनिधित्व देने का मुद्दा भी उठाया और कहा कि कार्यकारिणी परिषद् में छात्रों को प्रतिनिधित्व देने के लिए **छात्र परिषद्**

के चुनाव करवाये जायें ताकि छात्र प्रतिनिधि छात्रों की विभिन्न समस्याओं को कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष प्रस्तुत कर सके। जिस पर कार्यकारिणी परिषद् ने निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों को कार्यकारिणी परिषद् में प्रतिनिधित्व देने के लिए यथाशीघ्र **छात्र परिषद्** के चुनाव करवाये जाएं।

अन्त में बैठक पीठ को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई ।

(डॉ0 पंकज ललित)
कुलसचिव
सदस्य–सचिव

पुष्टिकरण

हस्ता0/–

(आचार्य ए0डी0एन0 बाजपेयी)
कुलपति/सभापति

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
सामान्य प्रशासन शाखा

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की वर्ष, 2015 की द्वितीय आपातकालीन बैठक की कार्यवाही, जो दिनांक 17 अक्तूबर, 2015 को दोपहर 12–00 बजे आचार्य ए0डी0एन0 बाजपेयी, कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई । बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए :–

1– आचार्य राजिन्द्र सिंह चौहान, प्रति कुलपति
2– श्री राजेश शर्मा(भा0प्र0से0), विशेष सचिव (वित्त)
3– श्री डी0सी0 राणा(हि0प्र0से0), अतिरिक्त सचिव(शिक्षा)
3– डॉ0 दिनकर बुड़ाथोकी, निदेशक, उच्चतर शिक्षा, हि0प्र0
4– आचार्य एम0एस0 चौहान, अधिष्ठाता, भौतिक विज्ञान संकाय
5– आचार्य पी0एन0 बंसल, अधिष्ठाता प्रदर्शन एवं दृश्य कलाएं संकाय
6– आचार्य सतीश चन्द भढवाल
7– श्री चन्द्र शेखर, नामिती राज्य सरकार
8– श्री देवी राम वर्मा, प्रतिनिधि गैर–शिक्षक कर्मचारी
9– श्री हरीश जनारथा, नामिति कुलाधिपति
10– डॉ0 अनुराग शर्मा, सह–आचार्य
11– डॉ0 पंकज ललित –कुलसचिव
सदस्य–सचिव

<u>मद संख्या–1:</u> कुलपति महोदय का वक्तव्य ।

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की वर्ष 2015 की द्वितीय आपातकालीन बैठक में माननीय कुलपति महोदय ने सभी सम्माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

उन्होंने कार्यकारिणी परिषद् के सदस्य रहे श्री इन्द्र दत्त लखनपाल, मुख्य संसदीय सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार एवं डॉ. एस.एस.कौशल, अधिष्ठाता चिकित्सा विज्ञान का कार्यकारिणी परिषद् के कार्य निष्पादन में दिये गये सहयोग के लिए धन्यवाद किया तथा आचार्य एम.एस.चौहान, अधिष्ठाता, भौतिकी विज्ञान संकाय का नए सदस्य के रूप में स्वागत किया।

कुलपति महोदय ने परिषद् को अवगत करवाया कि गत बैठक दिनांक 31–08–2015 तथा इस बैठक की अवधि के दौरान विश्वविद्यालय में निम्नलिखित कार्यक्रम, बैठकें, संगोष्ठियां और कार्यशालाएं आयोजित की गईं:–

1. दिनांक 04.09.2015 को आंतरिक गुणवत्ता विश्वसनीयता प्रकोष्ठ की विस्तृत बैठक आयोजित की गई जिसमें गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए मुख्य बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया।

2. दिनांक 04.09.2015 को ही विधि विभाग के सभागार में अध्यापक दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

3. दिनांक 07.09.2015 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय पंजाब की भटिण्डा में आयोजित की गई 17वीं कार्यकारिणी परिषद् की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

4. दिनांक 11.09.2015 को विश्व बंधुत्व दिवस कार्यक्रम में गेयटी थियेटर में स्वामी विवेकानन्द केन्द्र कन्या कुमारी शाखा, नाभा, शिमला द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विशेष व्याख्यान दिया।

5. दिनांक 13.09.2015 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास केन्द्र में पुनश्चर्या कार्यक्रम 'पर्यावरण विज्ञान' में विशेष व्याख्यान दिया।

6. दिनांक 14.09.2015 को भिवानी में हिन्दी दिवस पर व्याख्यान दिया।

7. दिनांक 14 से 16 सितम्बर 2015 तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गठित नैक टीम के सभापति के रूप में भिवानी, हरियाणा का दौरा किया।

8. दिनांक 17.09.2015 को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

9. दिनांक 17.09.2015 को ही स्नातकोत्तर केन्द्र की केन्द्रीय छात्र संघ के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

10. दिनांक 18.09.2015 को विद्योत्तमा कन्या छात्रावास का लोकार्पण माननीय मुख्यमन्त्री श्री वीरभद्र सिंह के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

11. दिनांक 18.09.2015 को ही पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमन्त्री श्री वीरभद्र सिंह जी रहे।

12. दिनांक 18.09.2015 को ही पीटर हॉफ में आयोजित हिमाचल प्रदेष राजकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

13. दिनांक 19.09.2015 को ही पीटर हॉफ में आयोजित हिमाचल प्रदेष राजकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

14. दिनांक 23.09.2015 को विष्व पर्यटन दिवस के अवसर पर एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रमों के शुभारम्भ के अवसर की अध्यक्षता की।

15. दिनांक 25.09.2015 को संगीत विभाग द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

16. दिनांक 25.09.2015 को ही विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित निगमित प्रषासन एवं व्यवसायिक नैतिकता विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

17. दिनांक 28.09.2015 को आरट्रैक शिमला के ब्रिगेडियर रवि जड़ियाल और कर्नल कपिल तनुजा के साथ शैक्षणिक और सैन्य अध्ययन आदान–प्रदान के लिए बैठक आयोजित की गई।

18. दिनांक 28.09.2015 को ही विश्वविद्यालय प्रबन्धन अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित युवा उत्सव कार्यक्रमों की अध्यक्षता की।

19. दिनांक 30.09.2015 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के पांचवे दीक्षांत समारोह में दीक्षांत उद्‌बोधन दिया जिसकी अध्यक्षता मानव संसाधन विकास मन्त्री श्रीमती स्मृति जुबिन इरानी ने की।

20. दिनांक 03.10.2015 को राजकीय महाविद्यालय रिकांगपिओ में अन्तर महाविद्यालय महिला बास्केट बॉल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि रहे।

21. दिनांक 04.10.2015 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर बुशहर में अन्तर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

22. दिनांक 05.10.2015 को विश्वविद्यालय प्रबन्धन स्कूल में नये एप्प का शुभारम्भ किया तथा बी.स्कूल पुरस्कार प्रदान किया।

23. दिनांक 5 से 7 अक्तूबर 2015 तक प्रति–कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गठित नैक टीम में सभापति के रूप बैंगलौर का दौरा किया।

24. दिनांक 06.10.2015 को मानव संसाधन विकास केन्द्र में दो दिवसीय अल्पावधि कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

25. दिनांक 06.10.2015 को ही राजकीय महाविद्यालय संजौली में मीडिया से सम्बन्धित दो दिवसीय कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

26. दिनांक 8 से 10 अक्तूबर 2015 तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गठित नैक टीम के सभापति के रूप में आसाम का दौरा किया।

27. दिनांक 12.10.2015 को गेयटी थियेटर में पेंटर्स कैम्प का उद्घाटन किया जिसका आयोजन संयुक्त रूप से ललित कला अकादमी एवं विश्वविद्यालय के दृश्यकला विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

28. दिनांक 13.10.2015 को प्रति–कुलपति द्वारा कृषि मन्त्रालय द्वारा दिल्ली में आयोजित कृषि अर्थ शोध केन्द्र से सम्बन्धित बैठक में भाग लिया।

29. दिनांक 15.10.2015 को विकलांगता अध्ययन एवं पुनर्वास केन्द्र द्वारा आयोजित 'अन्तर्राष्ट्रीय श्वेत छड़ी दिवस' समारोह की अध्यक्षता की।

30. दिनांक दिनांक 15.10.2015 को ही विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल के 16वें वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

उन्होंने कुलसचिव से आग्रह किया कि वे आज के लिए प्रस्तावित मदों को परिषद् के सम्मुख चर्चा एवं निर्णय के लिए प्रस्तुत करें।

<u>मद संख्या–2:</u> कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष माननीय उच्च न्यायालय, हिमाचल प्रदेश द्वारा दिनांक 06 अक्तूबर, 2015 को सहायक आचार्यों की नियुक्ति सम्बन्धी दिए गए निर्णय के सम्बन्ध में ।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिनांक 16–03–2015 को पारित आदेश CIVIL APPEAL NOS.-----OF 2015(ARISING OUT OF SLP (CIVIL) NOS. 36023-36032 OF 2010) P. SUSEELA & ORS. ETC.ETC.(APPELLANTS) VERSUS UNIVERSITY GRANTS COMMISSION & ORS. ETC. ETC.
(RESPONDENTS) और माननीय उच्च न्यायालय, हिमाचल प्रदेश द्वारा सी.डब्ल्यू.पी. 9048/

2013 के साथ सी.डब्ल्यू.पी. संख्या 9051, 9055, 7031 व 7366 ऑफ 2013 और सी.ओ.पी.सी. संख्या 4266 व 4267 ऑफ 2013 दिनांक 6–10–2015 को पारित आदेशों पर विस्तार से चर्चा करने के उपरान्त निम्नलिखित निर्णय लियाः–

1) उत्तर भारत के समस्त विश्वविद्यालयों से माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिनांक 16–03–2015 को दिए गए निर्णय के उपरान्त सहायक आचार्यों की भर्ती प्रक्रिया के लिए अपनाये गये मानदण्डों बारे एक सप्ताह के भीतर जानकारी प्राप्त कर इन्हें परिषद् के समक्ष प्रस्तुत किया जाये।

2) माननीय उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय, हिमाचल प्रदेश द्वारा पारित आदेशों पर महाधिवक्ता, हिमाचल प्रदेश तथा अन्य वरिष्ठ कानूनविदों से लिखित कानूनी परामर्श लेकर इसे परिषद् के समक्ष रखा जाये।

3)माननीय कुलाधिपति एवं महामहिम राज्यपाल जी से अनुमति लेकर सह–आचार्यों एवं आचार्यों की नियुक्ति, पदोन्नति के लिए आयोजित साक्षात्कारों की चयन समिति की सिफारिशों को कार्यकारिणी परिषद् की अगली बैठक में प्रस्तुत किया जाये।

मद संख्या–3: कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 12–सी(7) के अंतर्गत लिए गए निर्णय से अवगत करवाना ।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 12–सी(7) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुसार श्री जगदीश चन्द वर्मा, अनुभाग अधिकारी के निलम्बन आदेश को नोट कर अनुमोदित किया ।

यथा–स्थान की गई चर्चाः

कार्यकारिणी परिषद् के सदस्यों ने डॉ0 विकास शर्मा, प्रोग्रामर की आकस्मिक निधन के उपरान्त उनकी धर्मपत्नी को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति देने का मामला उठाया। जिस पर कुलपति महोदय ने आश्वस्त किया कि मामले का परीक्षण कर इसमें आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

सदस्य श्री चन्द्रशेखर ने कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष यह मामला उठाया कि विश्वविद्यालय में एम0फिल0 के अध्ययनरत छात्रों को एम0फिल0 उपाधि जिसमें शोध–कार्य प्रस्तुत करना भी शामिल है एक वर्ष की अवधि के भीतर पूर्ण करना होती है। एम0फिल0 छात्रों को इस आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए छात्रावास का आवंटन होता है। लेकिन कई छात्र इस निर्धारित अवधि के भीतर अपना अध्यापन कार्य पूर्ण नहीं कर पाते हैं। अतः उपरोक्त स्थिति को मध्यनजर रखते हुए एम0फिल0 के उन छात्रों जो एक वर्ष की निर्धारित अवधि के भीतर अपना अध्यापन कार्य पूर्ण नहीं कर पाते हैं को छात्रावासों में ठहरने की सुविधा को बढ़ाकर 15 महीने किया जाये। जिस पर कार्यकारिणी परिषद् ने सर्वसम्मति से एम0फिल0 के अध्ययनरत छात्रों को छात्रावासों में ठहरने के लिए निर्धारित एक वर्ष की समय सीमा को बढ़ाकर 15 महीने करने को अपनी स्वीकृति प्रदान की।

श्री चन्द्र शेखर ने यह भी कहा कि लड़कियों के नव निर्मित छात्रावास जिसका हाल ही में माननीय मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश ने लोकार्पण किया है का शीघ्रातिशीघ्र आवंटन किया जाये । ताकि लड़कियों को नव निर्मित छात्रावास में ठहरने की सुविधा मिल सके ।

कुलपति महोदय ने कार्यकारिणी परिषद् को अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय प्रशासनिक अधिकारी संघ ने उनके समक्ष अधिकारियों के विभिन्न पद जो भर्ती एवं पदोन्नति में निर्धारित वांछित न्यूनतम सेवा अवधि पूरी न होने के कारण रिक्त पड़े हैं का मामला उठाया है और कहा कि पदोन्नति के लिए निर्धारित समय अवधि पूर्ण न होने के कारण अधिकारियों के कई
पद रिक्त चले रहे हैं जिससे विश्वविद्यालय का कार्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों के ज्ञापन पर चर्चा के उपरान्त उनकी उचित मांगों का परीक्षण करने के लिए निम्नलिखित उच्च स्तरीय समिति का गठन किया हैः–

1– प्रति कुलपति –अध्यक्ष
2– अधिष्ठाता अध्ययन –सदस्य
3– श्री हरीश जनारथा –सदस्य
4– अधिष्ठाता विधि संकाय –सदस्य
5– अध्यक्ष, हि0प्र0वि0 प्रशासनिक अधिकारी संघ –सदस्य
6– कुलसचिव –सदस्य–सचिव

कार्यकारिणी परिषद् ने प्रशासनिक अधिकारियों की उचित मांगों का परीक्षण करने के लिए गठित समिति के गठन पर अपनी सहमति व्यक्त की ।

अंत में बैठक पीठ को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई।

(डॉ0 पंकज ललित)
कुलसचिव
सदस्य–सचिव

पुष्टिकरण

हस्ता0/–

(आचार्य ए0डी0एन0 बाजपेयी)
कुलपति/सभापति

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
सामान्य प्रशासन शाखा

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की वर्ष, 2015 की प्रथम आपातकालीन बैठक की कार्यवाही, जो दिनांक 31 अगस्त, 2015 को पूर्वाह्न 11–00 बजे आचार्य ए0डी0एन0 बाजपेयी, कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई । बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए :–

1– आचार्य राजिन्द्र सिंह चौहान, प्रति कुलपति

2– डॉ0 एस0एस0 कौशल, अधिष्ठाता आयुर्विज्ञान संकाय

3– आचार्य पी0एन0 बंसल, अधिष्ठाता प्रदर्शन एवं दृश्य कलाएं संकाय

4– श्री देवी राम वर्मा, अनुभाग अधिकारी

5– श्री हरीश जनारथा, नामिति कुलाधिपति

6– डॉ0 पंकज ललित –कुलसचिव
सदस्य–सचिव

<u>मद संख्या–1:</u> कुलपति महोदय का वक्तव्य ।

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की *वर्ष 2015* की प्रथम आपातकालीन बैठक में कुलपति महोदय ने सभी सम्माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

उन्होंने सर्व प्रथम कार्यकारिणी परिषद् के सभी सम्माननीय सदस्यों को सूचित किया कि देश के 69वें स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय पूर्व वर्षों की भांति इस बार भी 15 अगस्त को प्रातः 9 बजे विश्वविद्यालय परिसर में कारगिल युद्ध शहीद शौर्यचक्र विजेता सूबेदार वेद प्रकाश ठाकुर के परिजनों को सम्मानित किया गया तथा इस अवसर पर ध्वजा–रोहण किया गया।

उन्होंने सूचित किया कि इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय में निम्नलिखित कार्यक्रम, बैठकें, संगोष्ठियां और कार्यशालाएं आयोजित की गईं:–

31. दिनांक 17 अगस्त 2015 को माननीय मुख्यमन्त्री की अध्यक्षता में हिमाचल प्रदेश संस्कृत अकादमी की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

32. दिनांक 17 अगस्त 2015 को ही मानव संसाधन विकास केन्द्र में आयोजित किए जा रहे पुनश्चर्या कार्यक्रम में विशेष व्याख्यान दिया।

33. दिनांक 21 अगस्त 2015 को गेयटी थियेटर में राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

34. दिनांक 24 अगस्त 2015 को नई दिल्ली में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मन्त्री के नेतृत्व में शामिल प्रतिनिधि मण्डल में सदस्य के रूप में भारत–आस्ट्रेलिया शैक्षणिक परिषद् की बैठक में भाग लिया।

उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलसचिव से आग्रह किया कि वे आज के लिए प्रस्तावित मदों को परिषद् के सम्मुख चर्चा एवं निर्णय के लिए प्रस्तुत करें।

<u>मद संख्या–2:</u> कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षक व गैर–शिक्षक पदों हेतु जारी विज्ञापनों की कियान्वयन समयावधि के विस्तार की स्वीकृति ।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षक व गैर–शिक्षक पदों को भरने के लिए जारी विज्ञापन संख्याः Rectt.-1/2014 दिनांक 08.09.2014 जिसकी भर्ती प्रकिया विभिन्न प्रशासनिक व अन्य कारणों से एक वर्ष की समयावधि के भीतर पूर्ण नहीं हो पाई, विज्ञापन की समय अवधि निश्चित करने बारे कार्यकारिणी परिषद् ने मद संख्या–2(13)दिनांक 10–6–1981 व 12–6–1981 को हुई पूर्व बैठक में लिये गये निर्णयानुसार विश्वविद्यालय में विज्ञापन के प्रचलन की अवधि एक वर्ष निर्धारित कर रखी है। अतः इस निर्णयानुसार वर्ष 2014 में जारी उपरोक्त विज्ञापन की अवधि दिनांक 7 सितम्बर, 2015 को समाप्त हो रही है।

कार्यकारिणी परिषद् ने विभिन्न प्रशासनिक व अन्य कारणों से उपरोक्त शिक्षक व गैर–शिक्षक पदों को भरने के जारी भर्ती प्रकिया व कार्यकारिणी परिषद् द्वारा पूर्व में लिये गये निर्णय को मध्यनजर रखते हुए विज्ञापन संख्याः Rectt.-1/2014 दिनांक 08.09.2014 की समयावधि 6 महीने और बढ़ाने को अपनी स्वीकृति प्रदान की ।

अन्त में बैठक पीठ को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई ।

(डॉ0 पंकज ललित)
कुलसचिव
सदस्य–सचिव

पुष्टिकरण

हस्ता0/–

(आचार्य ए0डी0एन0 बाजपेयी)
कुलपति/सभापति